भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 2110
16/12/2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

हिंद महासागर से खनिजों का निष्कर्षण

2110. श्री महेश पोद्दार :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान हिंद महासागर में नए खनिज परतों की खोज की गई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इसके निष्कर्षण के लिए क्या-क्या उपाय किए गए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की आगामी वर्षों में समुद्री तटीय वेधशालाएं स्थापित करने की योजना बना रही है, यदि हाँ, तो बजटीय आवंटन सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र (एन.सी.पी.ओ.आर.) ने अन्तरराष्ट्रीय समुद्रतल प्राधिकरण के साथ किए गए अन्वेषण अनुबंध के अन्तर्गत निष्पादित की गई पॉलीमेटैलिक सल्फाइड अन्वेषण गतिविधियों के अन्तर्गत हिंद महासागर रिज क्षेत्रों में लगभग दर्जनों स्थानों पर पॉलीमेटैलिक सल्फाइड खनिज भंडारों के होने की संभावना के संकेतों की पहचान की है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण जो भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) क्षेत्रीय जल सीमा के अन्तर्गत मैपिंग निष्पादित करता है, ने पिछले तीन वर्षों के दौरान आवीक्षण पैमाने पर भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के अंदर वैनेडीफेरस टिटैनो-मैग्नेटाइट तथा कोबाल्ट, निकेल होस्टेड पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल्स / क्रस्ट के संभावी ऑफशोर क्षेत्रों का सीमांकन किया है।

(ख) वर्तमान समय में पॉलीमेटैलिक सल्फाइड खनिज भंडारों के निष्कर्षण की अनुमति नहीं है क्योंकि अन्तरराष्ट्रीय समुद्रतल प्राधिकरण द्वारा अभी तक अन्तरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र से खनिज संसाधनों के दोहन हेतु विनियम को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

(ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओ-स्मार्ट योजना के अन्तर्गत तटवर्ती मॉनिटरिंग कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस), हैदराबाद भारतीय तटवर्ती समुद्री क्षेत्रों में चुनिंदा स्थानों पर भौतिक एवं जैवभूरासायनिकी मानदण्डों का मापन करने वाले सेंसर से युक्त बुवॉय आधारित स्वायत्त तटवर्ती वेधशालाएं स्थापित करने का एक कार्यक्रम है। दो स्थानों, विशाखापट्टनम एवं कोच्चि, में स्वायत्त तटवर्ती वेधशालाओं के लिए आवंटित बजट 20 करोड़ रुपए है।

*****